कार्यक्रम आख्या

जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान रुद्रप्रयाग (रतूड़ा)

कार्यालय – जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान ,रतूड़ा–रुद्रप्रयाग(उत्तराखण्ड) पिन -246171,
E-Mail :- drcratura.rpg@gmail.com

एफ०एल०एन० तीन दिवसीय प्रधानाध्यापकों / प्रभारी प्रधानाध्यापकों हेतु सेवारत प्रशिक्षण
वर्ष - 2024 - 25

आजोजन तिथि - प्रथम चरण -29 जुलाई 2024 से 31 जुलाई 2024
द्वितीय चरण - 01 अगस्त 2024 से 03 अगस्त 2024

आजोजन स्थल - जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान रुद्रप्रयाग (रतूड़ा)

प्रतिभागियों की संख्या -

विकासखण्ड का नाम	प्रतिभागी प्रथम चरण	प्रतिभागी द्वितीय चरण	कुल योग
अगस्त्यमुनि	20	20	40
जखोली	25	14	39
ऊखीमठ	13	15	28
कुल योग	58	49	107

राज्य संदर्भदाता -
1 - श्री विजय कुमार चौधरी , प्रवक्ता डायट रुद्रप्रयाग
2 - डा० विनोद कुमार यादव , प्रवक्ता डायट रुद्रप्रयाग
3 - श्री आशीष तिवारी , प्रभारी प्रधानाध्यापक लोंगा, जखोली, रुद्रप्रयाग

सहयोग-
- रूम टू रीड संस्था रुद्रप्रयाग,
- अजीम प्रेमजी फाउंडेशन रुद्रप्रयाग,
- सम्पर्क फाउंडेशन रुद्रप्रयाग

मार्गदर्शन - श्री सी०पी० रतूड़ी, प्राचार्य,
जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान रुद्रप्रयाग (रतूड़ा)

दिशानिर्देशन-
1 - राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद् , उत्तराखण्ड (देहरादून)
2 - राज्य परियोजना कार्यालय समग्र शिक्षा, उत्तराखण्ड (देहरादून)

जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान रुद्रप्रयाग (रतूड़ा)

कार्यशाला समय सारणी

समय	सत्र	सन्दर्भदाता
प्रथम दिवस		
10:00am से 10:45am	उदघाटन,पंजीकरण,परिचय एवं प्री टेस्ट	श्री विजय चौधरी
10:45am से 11:00am	सूक्ष्म जलपान	
11:00am से 12:30pm	बुनियादी साक्षरता एवं संख्याज्ञान (निपुण भारत मिशन) के सन्दर्भ में प्रधानाध्यापकों की भूमिका	डा०विनोद कुमार यादव / श्री आशीष तिवारी
12:30pmसे 01:15pm	विद्यालयी प्रक्रियाओं में जेंडर संवेदीकरण	श्री विजय चौधरी
01:15pm से 02:00pm	मध्यान भोजन	
02:00pm से 03:30pm	परिचय- साक्षरता,साहित्य एवं पुस्तकालय	श्री आशीष तिवारी
03:30pm से 03:45pm	सूक्ष्म जलपान	
03:45pm से 05:00pm	बालमित्र पुस्तकालय- पुस्तकों का चयन, प्रदर्शन एवं स्तरीकरण	डा०विनोद कुमार यादव
द्वितीय दिवस		
10:00am से 10:30am	प्रथम दिवस पुनरावलोकन	श्री विजय चौधरी
10:30am से 10:45am	सूक्ष्म जलपान	
10:45am से 12:15pm	पुस्तकालय/रीडिंग कार्नर का संचालन,CLMC तथा मुख्य पठन गतिविधियाँ तथा पठन उपरान्त विस्तारित गतिविधियाँ	डा०विनोद कुमार यादव
12:15pm से 01:00pm	अभिभावकों एवं समुदाय की भागीदारी तथा पुस्तकालय रेटिंग सिस्टम	श्री विजय चौधरी

01:00pm से 02:00pm	मध्यान भोजन	
02:00pm से 03:30pm	विद्यालय की सामान्य अकादमिक प्रक्रियाओं में प्रधानाध्यापकों की भूमिका एवं उत्तरदायित्व	श्री आशीष तिवारी/ डा०विनोद कुमार यादव
03:30pm से 03:45pm	सूक्ष्म जलपान	
03:45pm से 05:00pm	विद्यालय की सामान्य प्रक्रियांएँ क्या हैं ? इन्हें कैसे सुद्रण करें ?	श्री आशीष तिवारी/ अजीम प्रेमजी फाउंडेशन
तृतीय दिवस		
10:00am से 10:30am	द्वितीय दिवस पुनरावलोकन	श्री विजय चौधरी
10:30am से 10:45am	सूक्ष्म जलपान	
10:45am से 01:00pm	उपलब्ध संसाधनों का अभीष्तम उपयोग करते हुए अकादमिकविकास योजना एवं गणित किट प्रदर्शन	श्री आशीष तिवारी रूम टू रीड/ सम्पर्क फाउंडेशन
01:00pm से 02:00pm	मध्यान भोजन	
02:00pm से 03:00pm	सीखने सिखाने में प्रधानाद्यापक की भूमिका एवं प्रोजेक्ट	अजीम प्रेमजी फाउंडेशन/ श्री विजय चौधरी
03:00pm से 03:15pm	सूक्ष्म जलपान	
03:15pm से 04:00pm	सहायक अध्यापकों के अनुभवात्मक प्रशिक्षणों के सम्बन्ध में संवेदीकरण	डा०विनोद कुमार यादव
04:00pm से 05:00pm	पोस्ट टेस्ट फीडबैक एवं समापन सत्र	श्री विजय चौधरी

प्रथम दिवस

दिनांक 29 जुलाई 2024 से 03 अगस्त 2024 तक दो चरणों में राजकीय प्राथमिक विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों / प्रभारी प्रधानाध्यापकों हेतु तीन दिवसीय बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान (एफ०एल०एन०)प्रशिक्षण जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान रुद्रप्रयाग में आयोजित किया गया | जिसमें जनपद एफ०एल०एन० समन्वयक एवं मुख्य संदर्भदाता श्री विजय चौधरी द्वारा प्रथम सत्र में समस्त प्रतिभागियों का कार्यक्रम में पंजीकरण करवाया गया व कार्यक्रम का शुभारम्भ माँ सरस्वती के सम्मुख दीप प्रज्वलित कर किया गया साथ ही निपुण प्रेरणा गीत एवं निपुण शपथ के साथ सभी प्रतिभागियों द्वारा अपना परिचय दिया गया | प्राचार्य, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान रुद्रप्रयाग द्वारा समस्त प्रतिभागियों एवं स्वयं सेवी संस्था रूम टू रीड संस्था रुद्रप्रयाग , अजीम प्रेमजी फाउंडेशन रुद्रप्रयाग, सम्पर्क फाउंडेशन रुद्रप्रयाग का एफ०एल०एन०प्रशिक्षण में स्वागत एवं अभिनन्दन करते हुए निपुण भारत अभियान के अन्तर्गत संचालित एफ०एल०एन०कार्यक्रम की जानकारी प्रदान की एवं प्रशिक्षण की सफलता की कामना की गई | प्रथम सत्र से पूर्व सभी प्रतिभागियों के पूर्व ज्ञान की जानकारी हेतु प्री टेस्ट करवाया गया |

द्वितीय सत्र में सन्दर्भदाता डा० विनोद कुमार यादव एवं श्री आशीष तिवारी द्वारा बुनियादी साक्षरता एवं संख्याज्ञान (निपुण भारत मिशन) के सन्दर्भ में प्रधानाध्यापकों की भूमिका पर पी०पी०टी० के माध्यम से प्रतिभागियों के साथ चर्चा परिचर्चा की गई जो मुख्य रूप से बच्चों में समझ के साथ पढ़ना लिखना तथा गणना पर केन्द्रित रही | बच्चों में अच्छे स्वास्थ्य और स्वच्छता, प्रभावी सम्प्रेषण और सिखने की प्रक्रिया से जुड़े रहने पर बल दिया गया | इस सत्र में सभी प्रतिभागियों की सहभागिता रही श्री माधव सिंह नेगी व श्री गिरीश बडोनी ने अपने विद्यालय में प्रधानाध्यापक के कार्यों को सदन के समक्ष बताया गया जिससे अन्य प्रतिभागी भी लाभान्वित हो सकें |तृतीय सत्र में सन्दर्भदाता श्री विजय कुमार द्वारा विद्यालयी प्रक्रियाओं में जेंडर संवेदीकरण पर पी०पी०टी० के माध्यम से प्रतिभागियों के साथ चर्चा परिचर्चा की गई जिसमें महिला एवं पुरुष की समाज में भूमिका के अन्तर्गत महिला एवं पुरुष के जैविक व सामजिक अन्तर को स्पष्ट किया गया | इस विषय पर बेहतर समझ बनाने हेतु प्रश्नोतरी भी करवाई गई | चतुर्थ सत्र में सन्दर्भदाता श्री आशीष तिवारी द्वारा साक्षरता,साहित्य एवं पुस्तकालय के सम्बन्ध में सूक्ष्म परिचय देतु हुए गतिविधि के माध्यम से श्री कृष्ण कुमार जी द्वारा लिखित लेख साहित्य क्यों ? को वितरित किया गया एवं लेख से सम्बन्धित विषय पर चर्चा परिचर्चा की गई जिससे प्रतिभागियों को बच्चों के साहित्य , साक्षरता एवं पुस्तकालय को समझने में सहायता मिली|

पंचम सत्र सन्दर्भदाता डा०विनोद कुमार यादव द्वारा बालमित्र पुस्तकालय- पुस्तकों का चयन, प्रदर्शन एवं स्तरीकरण विषय पर आयोजित किया गया जिसमें डी०एल०एड० प्रशिक्षुओं द्वारा निर्मित पुस्तकालय कोना एवं राजकीय कन्या उच्च प्राथमिक विद्यालय रतूड़ा में निर्मित पुस्तकालय कक्ष का अवलोकन करवाया गया जिससे प्रतिभागियों के विद्यालयों में पुस्तकालय निर्माण में सहयोग मिल सके साथ ही प्रिंट रिच सामग्री एवं विद्यार्थियों व पुस्तकों के स्तरीकरण करने की जानकारी प्रदान की गई | प्रथम दिवस के अन्त में जनपद एफ०एल०एन० समन्वयक श्री विजय चौधरी द्वारा प्रथम दिवस पर प्राप्त जानकारी के विषय में चर्चा करते हुए द्वितीय दिवस पर प्रथम दिवस की आख्या लिखने हेतु ग्रुप 01 विकासखण्ड अगस्त्यमुनि को निर्देशित किया गया |

द्वितीय दिवस

द्वितीय दिवस के प्रथम सत्र में सन्दर्भदाता श्री विजय चौधरी द्वारा प्रतिभागी ग्रुप 02 जखोली को निपुण प्रेरणा गीत एवं निपुण शपथ के लिए आमंत्रित किया गया इसके उपरान्त प्रथम दिवस पुनरावलोकन हेतु ग्रुप 01 विकासखण्ड अगस्त्यमुनि को मंच पर आमंत्रित किया गया ग्रुप द्वारा प्रथम दिवस की आख्या प्रतिभागियों के समक्ष प्रस्तुत की गई |द्वितीय सत्र

सन्दर्भदाता डा० विनोद कुमार यादव द्वारा पुस्तकालय/रीडिंग कार्नर का संचालन,CLMC तथा मुख्य पठन गतिविधियाँ तथा पठन उपरान्त विस्तारित गतिविधियाँ विषय पर लिया गया जिसमें CLMC के गठन व संचालन के साथ फाइव फिंगर रुल पर विस्तार से चर्चा परिचर्चा की गई साथ ही विद्यालय में निर्मित पुस्तकालयों को GROWBY अनुसार व्यवस्थित करना व समुदाय को पुस्तकालयों से जोड़ने हेतु क्या किया जा सकता है पर चर्चा की गई |राजकीय प्राथमिक विद्यालय फाली फसालत की अध्यापिका द्वारा अपने विद्यालय के पुस्तकालय की वीडियो सदन को दिखाई गई जिससे पुस्तकालय को बेहतर बनाने में सहयोग मिल सके |

तृतीय सत्र में सन्दर्भदाता श्री विजय चौधरी द्वारा अभिभावकों एवं समुदाय की भागीदारी तथा पुस्तकालय रेटिंग सिस्टम पर पी०पी०टी० एवं वीडियो के माध्यम से सरकार द्वारा विद्यालय हेतु संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी प्रदन की गई जिससे समाज के अपवंचित वर्ग को शिक्षा की मुख्य धरा में जोड़ने में सहयोग मिल सके साथ ही इस सत्र में शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 की जानकारी देते हुए समुदाय को विद्यालय के विकास में कैसे जोड़ा जा सकता है पर चर्चा परिचर्चा की गई |चतुर्थ सत्र डा० विनोद कुमार यादव एवं श्री आशीष तिवारी द्वारा विद्यालय की सामान्य अकादमिक प्रक्रियाओं में प्रधानाध्यापकों की भूमिका एवं

उत्तरदायित्व पर पी०पी०टी० के माध्यम से जानकारी प्रदान की गई व SMC के माध्यम से अकादमिक प्रक्रियाओं में सुधार हेतु किस प्रकार सहयोग लिया जा सकता है पर चर्चा परिचर्चा की गई।पंचम सत्र सन्दर्भदाता श्री आशीष तिवारी द्वारा विद्यालय की सामान्य प्रक्रियांएँ क्या हैं ? इन्हें कैसे सुद्रण करें ?पर लिया गया जिसमें प्रार्थना सभा में नवाचार, प्रतिभा दिवस, शंका समाधान दिवस,बस्तारहित दिवस आदि कार्यक्रमों के संचालन पर चर्चा परिचर्चा की गई साथ ही एफ०एल०एन०के उद्देशों को प्राप्त करने हेतु विद्यालयों में नवाचारी गतिविधियों को किस प्रकार स्थान दिया जाए पर सदन द्वारा अपने विचार व्यक्त किये गए । द्वितीय दिवस के अन्त में जनपद एफ०एल०एन० समन्वयक श्री विजय चौधरी द्वारा द्वितीय दिवस पर प्राप्त जानकारी के विषय में चर्चा करते हुए तृतीय दिवस पर द्वितीय दिवस की आख्या लिखने हेतु ग्रुप 02 विकासखण्ड जखोली को निर्देशित किया गया।	

तृतीय दिवस

तृतीय दिवस के प्रथम सत्र में सन्दर्भदाता श्री विजय चौधरी द्वारा प्रतिभागी ग्रुप 03 ऊखीमठ को निपुण प्रेरणा गीत एवं निपुण शपथ के लिए आमंत्रित किया गया इसके उपरान्त द्वितीय दिवस पुनरावलोकन हेतु ग्रुप 02 विकासखण्ड जखोली को मंच पर आमंत्रित किया गया ग्रुप द्वारा द्वितीय दिवस की आख्या प्रतिभागियों के समक्ष प्रस्तुत की गई|द्वितीय सत्र सन्दर्भदाता श्री आशीष तिवारी द्वारा उपलब्ध संसाधनों का अभीष्तम उपयोग करते हुए अकादमिक विकास योजना एवं गणित किट प्रदर्शन पर आयोजित किया गया जिसमें गणित किट का प्रदर्शन करते हुए इसके उपयोग पर चर्चा की गई साथ ही विद्यालय की अकादमिक विकास योजना पर विस्तार से चर्चा कर समस्त ग्रुपों द्वारा विद्यालय की अकादमिक विकास योजना बनाने हेतु प्रपत्र उपलब्ध करवाए गये जिसे पूर्ण कर ग्रुपवार प्रस्तुतीकरण करवाया गया जिससे प्रतिभागियों को इसे भरने हेतु पूर्ण जानकारी प्राप्त हुई |	

तृतीय सत्र सन्दर्भदाता श्री विजय कुमार द्वारा सीखने सिखाने में प्रधानाद्यापक की भूमिका एवं प्रोजेक्ट विषय पर पी०पी०टी० के माध्यम से बाल शोध मेला आयोजन के विषय पर विस्तार से चर्चा की गई साथ ही इसके समस्त सोपानों एवं विभिन्न थीम के चयन पर अपनी प्रस्तुति दी गई | सभी प्रतिभागियों द्वारा इसे अपने वार्षिक कार्य में स्थान देने की बात कही गई |चतुर्थ सत्र डा० विनोद कुमार यादव द्वारा   सहायक अध्यापकों के अनुभवात्मक प्रशिक्षणों के सम्बन्ध में संवेदीकरण विषय पर आयोजित किया गया जिसमें पी०पी०टी० के माध्यम से सभी प्रतिभागियों को उनके विद्यालय में आयोजित होने वाले अनुभवात्मक प्रशिक्षण जिसे उनके निकटवर्ती विद्यालयों दवारा उनके विद्यालय में आकर प्राप्त करना है पर चर्चा की गई एवं उनके यहाँ अनुभवात्मक प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले विद्यालय स्वयं विद्यालय निपुण विद्यालय कैसे बनेगें व अनुभवात्मक प्रशिक्षण केन्द्र से वह क्या अनुभव ले कर अपने विद्यालय जा रहे होंगे पर चर्चा परिचर्चा की गई | पंचम सत्र जनपद एफ०एल०एन० समन्वयक श्री विजय चौधरी द्वारा लिया गया जिसमें पोस्ट टेस्ट एवं फीडबैक गूगल फॉर्म भरवाया गया |

अंतिम सत्र में प्राचार्य जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान महोदय द्वारा सभी प्रतिभागियों का प्रशिक्षण में मनोयोग से प्रतिभाग करने पर आभार व्यक्त किया गया साथ ही अपने विद्यालय को निपुण विद्यालय घोषित करने पर बधाई देते हुए जनपद के अन्य विद्यालयों को भी निपुण विद्यालय बाने में अपना सार्थक सहयोग प्रदान करने की अपेक्षा के साथ शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली स्वयं सेवी संस्था रूम टू रीड संस्था रुद्रप्रयाग , अजीम प्रेमजी फाउंडेशन रुद्रप्रयाग, सम्पर्क फाउंडेशन रुद्रप्रयाग का विभिन्न सत्रों में अपना योगदान प्रदान करने पर आभार व्यक्त किया व इस सफल प्रशिक्षण के समापन की घोषणा की गई |

धन्यवाद